3 आओ पेड़ लगाएँ (Lets Plant Trees)

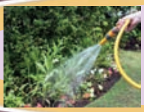

3.1. चित्र देखिए। सोचकर बताइए।

- प्र. आप उपर्युक्त चित्रों में किस तरह के अंतर को देख रहे है?
- प्र. उपर्युक्त चित्रों में से आपको कौन सा चित्र पसंद आया? क्यों?
- प्र. कहाँ अधिक हरियाली है और क्यों?
- प्र. दूसरे चित्र में क्यों ऐसा बदल गया?
- प्र. किस मानचित्र में अधिक पशु हैं? क्यों?
- प्र. क्या आपके प्रांत में पेड़ लगाने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं? क्यों?
- प्र. प्रतिकूल परिस्थितियों में क्या करना चाहिए?

हमारे आस-पास पेड़ों के रहने से आनंद और उल्लास छा जाता है। जंगलों से धरती पर हरीतिमा छा जाती है। सारी धरती पर जंगल (33%) विस्तीर्णता में छाए हुए है। लेकिन दिन-ब-दिन जंगलों का विस्तीर्ण घटते जा रहा है। हमारे देश के समूचे भू भाग में 21 प्रतिशत जंगल मात्र हैं। जैसे ही जंगलों का विस्तरण कम होते जा रहा है, वैसे ही पशु-पक्षियों की संख्या बहुत कम होती जा रही है। वर्षा के कम होने से भूगर्भ जल सूख रहा है। नदियाँ भी सूख रही हैं। ओजोन की परत नष्ट होकर, भूमि का उपरी भार तापमान बढ़ जाता है। समुद्र तल बढ़ रहा है। वातावरण में प्रदूषण फैलने से संतुलन खो रहा है।

अगर परिस्थितियाँ ऐसी ही बनी रहें तो भूमि पर जीव जंतुओं का जीवन यापन दुर्लभ हो जायेगा। इससे उभरने के लिए प्रकृति की रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। इसी के अंतर्गत प्रकृति संपदा और जंगल की रक्षा करना चाहिए। इससे उभरने के लिए पेड़ों का लगाना और रक्षा करना ही एकमात्र उपाय है। पेड़ क्यों लगाना चाहिए? क्या हम पेड़ लगाने, उनकी देखभाल और रक्षा करने संबंधी उपयुक्त वातावरण को बनाने के बारे में जानेंगे?

SCERT TELANGANA

3.2. पौधों के विकास के लिए क्या रोशनी की ज़रूरत है?

हम देखेंगे कि पौधों के विकास के लिए उपयुक्त परिस्थितियाँ क्या है?

ऐसा कीजिए

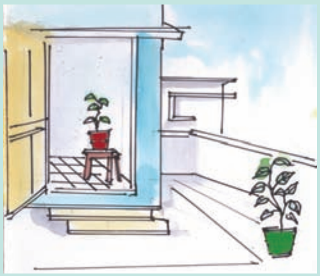

- दो पौधों के गमलों को लीजिए। लाल रंगवाले गमले को अंधेरे कमरे में और हरे रंग वाले गमले को बाहर रखिए। दोनों गमलों में **प्रतिदिन** पानी डालिए। एक सप्ताह तक ध्यान से देखिए। दोनों पौधों में पाये गये परिवर्तनों को हर दिन तालिका में लिखिए।

दिन	परिवर्तन	अंधेरे कमरे में रखा गया पौधा							बाहरी वातावरण में रखा गया पौधा						
		1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
	क्या स्वस्थ है?														
	ऊँचाई														
	अन्य परिवर्तन														

सामूहिक कार्य

- दोनों पौधों के अंतर को समूहों में चर्चा करना। परिणाम बताइए।
- कौन-सा पौधा स्वस्थ है? क्यों? इस प्रयोग से आपने क्या सीखा?

3.3. पौधों के बढ़ने के लिए क्या उपजाऊ ज़मीन चाहिए?

ऐसा कीजिए

- दो गमले लीजिए। एक में साधारण सी मिट्टी डालिए। दूसरे में प्राकृतिक खाद मिली हुई मिट्टी डालिए। दोनों में एक ही प्रकार के स्वस्थ पौधे लगाइए। उन्हें बाहर खुले वातावरण में रखिए। हर दिन पानी डालिए। एक सप्ताह तक ध्यान से देखिए। जो परिवर्तन पाये जायेंगे तालिका में लिखिए।

दिन	परिवर्तन	साधारण मिट्टी का पौधा							प्राकृतिक खाद का पौधा						
		1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
	क्या स्वस्थ है?														
	ऊँचाई														
	अन्य परिवर्तन														

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा

- कौन-सा पौधा स्वस्थ है और क्यों?
- इस प्रयोग के द्वारा आपने क्या जाना?

3.4. पौधों के बढ़ने के लिए क्या पानी ज़रूरी है?

ऐसा कीजिए

- अधिक उपजाऊ जमीन में बढने वाले दो पौधों को लीजिए। एक पौधे को प्रति दिन पानी डालिए। दूसरे को मत डालिए। एक सप्ताह के बाद उनकी जाँच संबंधी जानकारी तालिका में लिखिए।

दिन	परिवर्तन	बिना पानी के गमले में पौधा							पानी डाले गये गमले में पौधा						
		1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
	क्या स्वस्थ है?														
	ऊँचाई अन्य														
	परिवर्तन														

सामूहिक कार्य

- आपने क्या जाना है कि उपर्युक्त प्रयोगों से पौधों के विकास के लिए क्या-क्या आवश्यक हैं?
- उपर्युक्त प्रयोगों से आपका ध्यान आकृष्ट करने वाले अंश कौनसे है?
- उपयुक्त प्रयोगो के द्वारा जाँचे गये विषयों और उनके परिणाम पर कक्षा-कक्ष में प्रदर्शित करके चर्चा कीजिए।

उपर्युक्त प्रयोगों से हम जान चुके हैं कि पौधों के विकास के लिए जल, सूर्यरश्मि, अधिक उपजाऊ जमीन की आवश्यकता है। पौधों के विकास संबंधी परिस्थितियों के बारे में आप सीख चुके हैं। अब हम पेड़ों को कहाँ-कहाँ लगा सकते हैं पता लगायेंगे।

3.5. पेड़ों की देखभाल

सोंचिए-बोलिए

- कौन-कौन से पौधों को कहाँ पालना चाहिए? पौधों को लगाने के लिए किस प्रकार की सावधानियाँ बरतनी चाहिए और क्यों?

SCERT TELANGANA

पेड़ अपने लिए ही नही सारे जीव-जंतुओं के लिए आहार का उत्पादन करते हैं। पेड़ हमारे लिए आहार का उत्पादन कैसे करते हैं? आहार के अतिरिक्त पेड़-पौधों से क्या-क्या मिलता है?

3.5.1. पेड़ लगाने योग्य प्रदेश

- पौधों को लगाने योग्य प्रदेश का चयन करना चाहिए।
- पाठशाला में छायादार पेड़ जैसे सरू (सिप्रस) नीम आदि को लगाना चाहिए।
- घर के आवरण में फलों के पेड़, नीबूं, आम, जाम, सपोटा, केला, सहजन मीठा नीम, फूल के पेड़, मेंहदी, सागवान जैसे पेड़ लगाने चाहिए।
- मार्ग में फलों के पौधे जैसे नीबूं, आम, जाम, सपोटा, केला, सहजन मीठा नीम, फूल के पेड़, मेंहदी, सागोन जैसे पौधे लगाना चाहिए।
- गमले, छत और बरामदे आदि अन्य स्थानों में सूर्यरश्मि में तरकारी उगाई जा सकती हैं ।

सोंचिए-बताइए

- ♦ उद्‌यान में किस तरह के पौधे लगा सकते हैं?
- ♦ घर में यदि खाली जगह कम है, तब कैसे पौधे लगा सकते हैं?

अपने ही घर में आवश्यकता पड़ने पर ताजी सब्जियाँ कम खर्च में उगाई जा सकती हैं। हमारे घरों में उगाए जाने वाले साग-सब्जी स्वादिष्ट एवं गुणवत्ता वाले होते हैं। प्रदूषण दूर करने के साथ-साथ ये नगर वासियों के लिए खुशहाली लाते हैं। उनके घरों की शोभा भी बढ़ाते हैं। पर्यावरण परिरक्षण के साथ-साथ साग-सब्जी की सिंचाई करने से नगरवासियों का शारीरिक व्यायाम भी हो जाता है। भवनों पर साग-सब्जी अन्य पौधों के लगाने से हरियाली बढ़ जाती है, जिससे तापमान भी कम होता है। छत भी ठंडे होते हैं।

पेड़ - लाभ...

- पेड़ से ठंडी हवाये आती है। हवा की नमी को बढाते हैं।
- पेड़ छाया देते हैं।
- पेड़ फूल और फल देते हैं।
- पेड़ ईंधन देते हैं।
- पेड़ स्वास्थ्य और संपत्ति देते हैं ।
- पेड़ पानी के प्रवाह से जमीन के कटने को रोकते हैं।
- पेड़ कई जातियों को आश्रय देते हैं।
- पेड़ कई प्राणियों को आहार देते हैं।
- पेड़ प्राण वायु (आक्सीजन) देते हैं।
- पेड़ हरीतिमा और मानसिक उल्लास प्रदान करते हैं।

क्या आप जानते हैं?

आम, इमली, बरगद, संतरे के पेड़ बहुत बड़े होते हैं? क्या इन्हें गमलों में लगाया जा सकता है? इस तरह बड़े पेड़ों को छोटे-छोटे गमलों में लगाने की पद्धति को बोन्साय कहते हैं। यह जापान की परंपरागत कला है।

SCERT TELANGANA

3.5.2. पौधें लगाते समय लिये जाने वाली सावधानियाँ

- पौधों के लिए खुदाई की गयी मिट्टी को दो भागों में बाँटना चाहिए।

  अ) गड्ढों में ऊपर के भाग में अधिक सार वाली मिट्टी होती है। इसे दाँयी तरफ डाल लेना चाहिए। प्राकृतिक खाद या नीम का आटा इस मिट्टी के साथ मिलाना चाहिए। जब पौधे को लगाते हैं तब पहले इसी मिट्टी को भरना चाहिए।

  आ) गड्ढे की बाकी मिट्टी बाई ओर डाल देना चाहिए। अंदर की मिट्टी में उतना सार नही होता। पौधा लगाने के बाद इसी मिट्टी को ऊपर डालना चाहिए।

- पौधें वहाँ लगाना चाहिए जहाँ धूप आती हो। यदि किसी पेड़ के नीचे लगायेंगे तो वह पौधा विकसित नहीं हो सकता।
- कम से कम २० फीट की दूरी होनी चाहिए। अगर ऐसा नही करेंगे तो वे पौधे निरुपयोग हो जायेगें।
- यदि पौधा प्लास्टिक की थैली में है तो उसे लगाते समय ब्लेड से प्लास्टिक की थैली को काटकर उस मिट्टी में पौधा लगाना चाहिए।
- पौधा लगाने के तुरंत बाद हवा जड़ों को लगने के लिए मिट्टी को दबाना चाहिए। पौधा खड़े होने के लिए एक लकड़ी का सहारा देना चाहिए।
- पौधे को आवश्यकतानुसार पानी डालना चाहिए। पौधा लगाते ही अगर अधिक पानी डालेंगे तो पौधा सूख सकता है।

सोंचिए

♦ आपको मालूम हुआ कि पौधे लगाने में किस प्रकार के सावधानियाँ लेनी चाहिए। पौधे के उत्तम विकास के लिए कौनसे सुरक्षा उपाय करने चाहिए।

3.5.3. पौधों की सुरक्षा-उपयुक्त सावधानियाँ

- पौधों की रक्षा के लिए कंटो वाली झाड़ी डालिए।
- डांबर में डुबायी गयी लकड़ियाँ दीमक नहीं पकड़ती। इसलिए ऐसे तीन-तीन लकड़ियों को हर एक पौधे की चारों ओर गाड़ना और जाली को लपेटना चाहिए।

SCERT TELANGANA

- पौधों के चारो ओर डांबर में डुबायी गयी लकड़ियों को गाड़ना और उन्हें पुराने सीमेंट की थैलियों या खाद की थैलियों को बाँधना चाहिए। क्योंकि हरे भरे पत्तों के दिखने पर पशु पेड़ के **पास** आते हैं।
- पेड़ों को जब **कीड़** लगता है तो पानी में 5 दिन तक भिगोए गए नीम **के पावडर का पानी** छिड़कना चाहिए। बचे हुए **पवडर** को पेड़ के तने के पास डालने पर **कीड़** मिट जायेगा। पेड़ मजबूत होकर विकास भी करेगा।
- पेड़ को पानी डालने में **यदी** कोई समस्या हो तो निरूपयोगी पानी की बोतल में भरकर छेद करके उल्टा उस लकड़ी पर बाँधना चाहिए जो पौधे का आधार है। पानी की एक-एक बूंद गिरने से पौधे को एक सप्ताह तक पानी डालने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

3.6. हरित क्रांति परिषद

पौधा लगाना **तथा** उनका संरक्षण करने संबंधी विषय **को** आप जान चुके हैं। लेकिन हमारे मन में विचार आता है कि इन पौधों को कहाँ से लायेंगे? कौन देंगे? कुछ लोग आस-पास के पौधे ही लगा लेते हैं। तो कुछ लोग नर्सरी से लाते हैं। हमारी पाठशाला में पेड़ **लगाने** के लिए उपयुक्त सहयोग प्रदान करन के लिए हरित क्रांति परिषद संस्था के लोग गाँवों में कार्यरत हैं।

पौधे लगाइए **और** उनसे संबंध बढाने के लिए **उनके** जीवन के लिए उपयोगी हवा, पानी, प्रकृति की रक्षा करना **हमारे लिए** अत्यंत आवश्यक है। पेड़ ही जीवन और संपत्ति है। उसके साथ-साथ शुद्ध प्रकृति को बच्चो के लिए सुरक्षित रखने के लिए बच्चों और बड़ों को जागृत करने वाली संस्था ही कौन्सिल फर ग्रीन रेवल्यूशेन है। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य प्रकृति की रक्षा है। प्रकृति के प्रति छात्रो को जागृत करना, हरित यज्ञ मे सभी को सहभागी बनाना इस संस्था का मुख्य उद्देश्य हैं। **उस संस्था ने** एक करोड़ पौधे लगाने का प्रण लिया है। अब तक 650 सरकारी पाठशालाओं **में** पौधे भिजवाये हैं। एक-एक छात्र को पाँच के हिसाब से पौधें दिये गए हैं।

इस प्रकार हजारों अध्यापकों और छात्रों को सहभागी बनाकर अब तक हज़ारों पौधों को लगाकर उनकी रक्षा संबधी प्रणाली को सफल बना देंगे।

पाठशाला में पौधे लगाते हुए अध्यापक और छात्र और श्रीमती लीला लक्ष्मा रेड्डी, अध्यक्ष हरित क्रांति परिषद्

पर्यावरण प्रतिज्ञा, पौधे लगाने संबंधी सावधानियाँ, सुरक्षा उपाय आदि के संबंध में जागरुक करते हुए पौधे लगाने के इस कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजन कर रहे हैं।

हरित क्रांति परिषद के एक करोड़ पौधे लगाने के निर्णय के अंतर्गत पिछले 2 वर्षों से वन प्रेरणा अभियान शुरू की गई है। इस अभियान में छात्र तथा अध्यापक की भागेदारी से महबूबनगर, नलगोंडा, वरंगल, रंगारेड्डी, प्रकाशम जिलों में चलाया जा रहा है। 2012-13 वर्ष में मेदक जिले में वन प्रेरणा अभियान भी चलाया गया है। एक दिन में 2 लाख छात्रों ने 10 लाख पौधों को लगाया था। पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों ने प्रतिज्ञा ली है।

हरा-भरा हरियाली

पेड़ पौधों से हरे-भरे गड्मपल्ली पाठशाला को हाल में हरित पाठशाला पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पाठशाला नागर कर्नूल जिला, तेलकपल्ली मंडल में है। इस पाठशाला के प्रधानाध्यापक, अध्यापक, छात्र-छात्राएँ मिलकर अपनी पाठशाला को हरा-भरा करने का निर्णय लिया था। इन्हें हरित क्रांति परिषद संस्था नें सहयोग दिया। इस संस्था ने लगभग 400 तरह के पौधे बच्चों को प्रदान किये गये हैं। इनमें से आधे अपनी पाठशाला में और आधे अपने-अपने घरों में लगाकर रक्षा कर रहे हैं।

छात्रों को पेड़-पौधो की रक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपने के बाद वे लोग उनकों उगाने और उनकी रक्षा अच्छी तरह कर रहे हैं। ऐसा करते हुए उन्हें खुशी का अनुभव होता है। पेड़-पौधों से घनिष्ट संबंध कायम करते हुए उनका जन्म दिवस भी मनाया जा रहा हैं। पौधों को राखी बांध रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण प्रतिज्ञा

- प्राणियों के लिए प्राण वायु देने वाले हरे-भरे पेड़-पौधों को लगाकर पालता हूँ।
- लोगों में वर्षा के आने के लिए पेड़ लगाने संबंधी जागरूकता उत्पन्न करूँगा।
- मै अपनी क्षमता के अनुसार हवा पानी, धरती प्रदूषित न होने के लिए भरसक प्रयास करूँगा।
- धूप और वर्षा से हमारा बचाव करने वाला घर पेड़ के बिना निर्मित नहीं हो सकता। इस वास्तव से सभी को अवगत कराता हूँ।
- पेड़ काटने, जंगलों का हनन और पर्यावरण को नष्ट न होने के लिए प्रयास करूँगा।

  उपर्युक्त सावधानियों का पालन मैं खुद करते हुए दूसरों को भी पालन करने के लिए आदर्श बनने की प्रतिज्ञा करता हूँ।
- बच्चों आप भी इस प्रतिज्ञा को अपनी पाठशाला में कीजिए।

SCERT TELANGANA

इस तरह पाठशालाओं को हरा-भरा रखने के लिए कौन्सिल फार ग्रीन रेवल्यूशन संस्था के साथ-साथ वंदे मातरम फाउंडेशन, वन शाखा, नेशनल ग्रीन कोर आदि संस्थाएँ बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। यदि तुम अपनी पाठशाला या गाँव में वृक्ष लगाना चाहते हैं तो हरितक्रांति परिषद से संपर्क करें ।

प्रशस्ति पत्र

वन प्रेरणा आंदोलन के अंतर्गत कौन्सिल फार ग्रीन रेवल्यूशन द्वारा दिये गये पौधे लगाने और उनकी रक्षा करने वाले छात्रों को वन प्रेम पुरस्कार और पतक से यह संस्था सत्कार कर रही है।

सोंचिए-बोलिए

- क्या आपके प्रांत में पर्यावरण और हरियाली के संबंध कोइ संस्था काम कर रही है? वह कौन से कार्य करती है?

क्या आप जानते हैं?

पाठशाला में हरियाली लगाना, पर्यावरण की रक्षा करना, कार्य अनुभव से हरियाली का आनंद प्राप्त करना, श्रम मूल्य पहचानना, पर्यावरण प्रदूषण पहचानना इसके बारे में जानकारी देना। गाँववालों को पर्यावरण के बारे में जानकारी प्राप्त कराने के लक्ष्य से नेशनल, ग्रीनकोर की स्थापना हूई। आजकल हमारे राज्य के सभी माध्यमिक पाठशालाओं में इसके कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

क्या आप जानते हैं?

ग्रामीण प्रांतों से लोग अपनी रोजी के लिए नगरों और शहरों की ओर आ रहे हैं। शहरों में 67 प्रतिशत जनता रहती है। अधिक जनसंख्या के कारण शहरों में व्यर्थ पदार्थों की मात्रा बढने से कई समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। प्रदूषण से तापमान भी बढ गया है। इस समस्या से उभरने के लिए कचरे से जैव संबंध व्यर्थो से खाद तैयार करके साग-सब्जी का पालन करने संबंधी प्रणाली तैयार की है। केवल हैदराबाद शहर में ही कचरा हटाने के लिए करोड़ों रूपये खर्च हो रहे हैं। सफेद कार्बनिक खाद से कचरे की समस्या समाप्त हो सकती है। रसोई व्यर्थो से कंपोस्ट खाद तैयार करके भवन पर, बाल्कनी के गमले थैले, पालिथिन के कवरों में, टोकरे, बक्से, प्लास्टिक के बर्तन, सीमेंट बैग और पुराने टायरों में भी साग-सब्जी को उगया जा सकता है। ऐसी प्रणाली भी वन सुरक्षा विभाग के अधिकारी तैयार करके लागू कर रहे हैं।

सामूहिक कार्य

- पेड़-पौधे उगाने के लिए आप कौन से कदम उठा रहे हैं?
- पौधों की सुरक्षा के लिए आप क्या करते हैं?
- पौधें लगाने के लिए आप किनकी सहायता लेते हैं।

3.7. आंगन में उगाये जाने वाली साग-सब्जियाँ

अधिक उत्पादन के लिए रसायनिक खाद, कीटनाशकों के अधिक मात्रा में उपयोग करने से साग-सब्जी विषमय हो रही है। नगरों के गंदे पानी मे उगाये गये साग-सब्जी का उपयोग करके बहुत सारे लोग बी.पी., शुगर, केन्सर जैसे बिमारियों का शिकार हो रहे हैं।

SCERT TELANGANA

पूर्वकाल में हर घर के आँगन में एक जगह होती थी। उस जगह में साग-सब्जी उगाई जाती थी। आज बड़े घर और संयुक्त परिवारों के स्थान पर छोटे घर और छोटे मकान आ गये हैं। इससे साग-सब्जी उगाने के लिए स्थल नही है। इस कारण से साग-सब्जी के लिए हर व्यक्ति **बाजार** पर निर्भर है। साग-सब्जी को उगाने के साथ-साथ उन्हें शहरों तक ले जाने और सुरक्षा के लिए रसायनों का **उपयोग** हो रहा है। इन रसायनों के उपयोग से साग-सब्जी अरुचि पूर्ण होने के **अतिरिक्त** स्वास्थ्य पर बुरा **प्रभाव** डाल रही है।

हमारे घरों मे ही स्वस्थ साग-सब्जी को उगाया जा सकता है। रसायनिक खाद, कीटनाशक दवाईयो के उपयोग के बिना नीम के तेल से स्वस्थ साग-सब्जी को उगा सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

नीम के पेड़ को संयुक्त राष्ट्र संघ ने शताब्दी वृक्ष के रूप में घोषित किया है। नीम का पेड़ अनेक रोगों की औषधि है। ''यदि रोगों से बचने की इच्छा है। तो नीम का पेड़ लगाना अच्छा है।''

सोंचकर बोलिए

- आपके घर में साग-सब्जी कहाँ से लाते हैं?
- अपने घर में साग-सब्जी उगाने के लिए आप क्या करते हैं?

मुख्य शब्द

पौधों को उगाना	लगाये जाने वाला प्रदेश	हरित क्रांति
कांति, उजाला	पौधों की रक्षा	वन प्रेरणा आंदोलन
उपजाऊ जमीन	पर्यावरण प्रतिज्ञा	उद्यान मंत्रालय
उर्वरक खाद	आँगन में साग-सब्जी	

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) पर्यावरण प्रतिज्ञा क्यों करना चाहिए?

आ) पौधों के विकास के लिए किन चीजों की आवश्यकता है?

इ) पौधे लगाते समय **कौन सी** सावधानियाँ **रखनी** चाहिए?

ई) पौधों की सुरक्षा के लिए **क्या** उपाय किए जा रहे हैं?

उ) हमारे घर मे और बाहर उगाये जाने वाले साग-सब्जी **में क्या** अंतर है?

SCERT TELANGANA

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना।

अ) पौधे उगाने के लिए अनुकूल परिस्थितियों की जानकारी के लिए किस प्रकार के प्रश्न पूछेगे?

आ) आप अपनी पाठशाला या अपने घर में साग-सब्जी उगाने में कौन से प्रश्न उत्पन्न होंगे? लिखिए।

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

ध्यान से देखकर बोलिए

अ) आपके समीपवर्ती बगीचा, नर्सरी पार्क का संदर्शन कीजिए। आपके देखे हुए पौधो के नाम निम्न तालिका में दर्ज कीजिए।

फूलों के पौधे	फ़लों के पौधे	अलंकरण में उपयोगी पौधे

अ) अपने मन पसंद पौधे को लगाकर उसे पलते-बढते देखकर आपके मन में जो विचार उत्पन्न होंगे, उन्हें लिखिए।

4. समाचार संकलन-परियोजना कार्य

वर्ष 2008-2012 तक सेपालपूर में लगाये गये पौधों के विवरण तालिका में दर्ज है, ध्यान से देखकर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वर्ष	लगाये गये पौधे			जीवित पौधे		
	पाठशाला	रोड केकिनारे	जंगल की जमीन	पाठशाला मे	रोड के किनारे	जंगल की जमीन
2008	20	40	1050	15	18	860
2009	10	55	1200	8	16	1053
2010	15	35	2000	18	15	1758
2011	20	65	965	15	32	815
2012	25	45	10800	22	18	1763

- कहाँ अधिक पेड़ लगाये गये?
- कहाँ लगाये गये पौधों में कम जीवित है? कारण क्या हो सकते हैं?
- पाठशाला में लगाये गये कुल पौधे कितने हैं? जीवित कितने हैं?

SCERT TELANGANA

- किस वर्ष में अधिक पौधे लगाये गये?
- किस वर्ष में अधिक पेड़ जीवित रहे?कारण क्या हो सकते हैं?

अ) पौधे लगाकर प्रतिदिन के परिवर्तनों को लिखिए

बीज बोई गई तारीख : ______________

अंकुर उत्पन्न हुई तारीख : ______________

15 दिन के पौधे की ऊँचाई, पत्तों की सं. : ______________

30 दिन के पौधे की ऊँचाई, पत्तों की सं. डालियों की सं. : ______________

60 दिन के पौधों की ऊँचाई, पत्तों की सं. डालियों की सं. : ______________

5. चित्रांकन, मानचित्र कौशल, नमूना द्वारा भाव विस्तार

अ) आप जो पौधा उगा रहे हैं उस दिन से 30 दिन तक पौधे की स्थिति संबंधी चित्र आपकी नोट बुक में खींचिए।

अंकुरित दिन	150 वां दिन	30 वां दिन

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता

अ) **जब** पौधे हमे आहार, आवास, **और** कपड़े दे रहे है, तो हमें पौधों के प्रति कैसे रहना चाहिए?

आ) पौधे संबंधी गीतों का संकलन करके दीवार पत्रिका पर प्रदर्शन कीजिए। बच्चो की सभा में गाइए।

इ) बाँस की लकड़ी को खड़े में दो भाग करके तैयार **की गयी** वस्तुओं की तालिका बनाइए। **यदि** बाँस में यह क्षमता नहीं होती तो कौन-कौन सी वस्तुएँ देखने को नहीं मिलती? सोचकर लिखिए।

ई) जब आप कोइ सुंदर फूल/फल/तरकारी का बगीचा देखते हैं तो कैसा महसूस करते हैं ।

मैं यह कर सकता हूँ?

1. पौधे उगने के लिए उपयुक्त परिस्थितियों का विवरण दे सकता हूँ। हाँ/नहीं
2. पौधे के विकास संबंधी प्रयोग कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
3. पौधों के विकास का चित्रों की सहायता से विवरण दे सकता हूँ। हाँ/नहीं
4. पौधे लगाने में जिन सावधानियों की आवश्यकता है वे मैं समझा सकता हूँ। हाँ/नहीं
5. पौधों के संरक्षण संबंधी उपाय कर सकता हूँ। हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA